Date ___ /___ /______

Sub. Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper - III
Chapter - Anxiety disorder
Topic - Etiology of Panic disorder
By :- Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D College, Tajpur, Samastipur.
Lecture Series No. - 28

Etiology of Panic Disorder.

भीषिका विकृति के कई कारण बतलाए गये हैं जिन्हे मोटे तौर पर निम्नांकित दो प्रमुख भागों में बाँटा गया है।

1. जैविक कारक (Biological factors)
2. मनोवैज्ञानिक कारक (Psychological factors)

1. जैविक कारक :- अध्ययनों से यह पता चला है कि भीषिका विकृति उन व्यक्तियों में अधिक होता है जिनके परिवार के किसी सदस्य में यह पहले हो चुका है। च्यानी एवं हेनिन्गर (Charney & Heninger 1986) ने अपने अपने अध्ययन के आधार पर यह बतलाया कि जब व्यक्ति के मस्तिष्क का वह सर्किट जो आपातकालीन प्रतिक्रिया को धीमा करता है या बंद करता है की क्षमता कमजोर हो जाती है तो इससे उसमें भीषिका विकृति उत्पन्न होने की संभावना बढ़ जाती है। रॉबिन्स तथा उसके सहयोगियों

Saathi

Date ___/___/______

(Robins et al 1986) के अनुसार भीषिका विकृति के रोगी में यह भी पाया गया कि उनके मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में रक्त तथा आक्सीजन सामान्य से अधिक होता है। लेई (Ley. 1987) के अध्ययन के अनुसार भीषिका दौरा का संबंध अतिश्वसन से होता है।

2. मनोवैज्ञानिक कारक :- क्लार्क (Clark 1989) के अध्ययन के अनुसार भीषिका विकृति उत्पन्न होने का एक कारण यह है कि व्यक्ति अपने भीतर उत्पन्न सामान्य शारीरिक संवेदनाओं का गलत अर्थ लगा कर यह समझ बैठते हैं कि वह भीषिका विकृति से ग्रस्त है। ऐसी भ्रांत व्याख्या से व्यक्ति में परेशानी और भी अधिक बढ़ जाती है और अंततोगत्वा उसमें पूर्ण रूप से भीषिका विकृति उत्पन्न हो जाता है।

अध्ययनो से यह भी पता चला है कि भीषिका विकृति के रोगी में इस बात का काफी डर बना रहता है कि यदि भीषिका दौरा कहीं आम जगह या स्थान (Public Place) में हो जायेगा तो उसे अपने आप पर कोई नियंत्रण नहीं रह जायेगा। सैंडरसन, रेपी एवं बारलो ने अपने अध्ययन में ऐसे रोग की उत्पत्ति में इस तरह के नियंत्रण के महत्व को दिखलाया है। सचमुच में इस प्रयोग में प्रत्याक्षित नियंत्रण (Perceived control) का भीषिका प्रतिक्रिया (Panic disorder) पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया गया।

Scanned with CamScanner